नामांक Roll No.

No. of Questions — 3

No. of Printed Pages — 7

SS—34—T.W. (Hindi)

उर्ि माध्यमिक परीक्षा, 2013
SENIOR SECONDARY EXAMINATION, 2013

हिन्दी टंकण लिपि

(TYPEWRITING HINDI)

समय — 1 घण्टा

पूर्णांक — 40

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

(1) परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न पत्र पर नामांक अनिवार्यत: लिखें ।

(2) प्रत्येक कागज के एक तरफ टंकण करें ।

(3) प्रत्येक प्रश्न को नये पृष्ठ से आरम्भ करना है ।

(4) प्रत्येक लाइन के बीच में द्विगुणित अवकाश (Double Spacing) देकर टंकण करना है ।

(5) प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक सजावट के निर्धारित है ।

1. निम्नलिखित अवतरण को टंकित कीजिए :

अंक

टंकण — 18

सजावट — 2

कुल — 20

संतोषम् परमम् सुखम्

कर्ज़ अपने साथ मुसीबतें लेकर आता है । उधार प्रेम की कैंची है । आज नकद, कल उधार, संतोषम् परमम् सुखम् , चादर देखकर पैर फैलाने की कोशिश करनी चाहिये ... न जाने ऐसी कितनी ही कहावतें भारतीय जनमानस में सदियों से रची-बसी हैं । अब तक हमारी संस्कृति में उधार और दिखावे की प्रवृत्ति गलत समझी जाती रही है, पर आज पूरा परिदृश्य बदल गया है । बैंक कहने लगे हैं कि हमें आपका ख़्याल है तभी तो आपको आसान क़िस्तों पर क़र्ज देते हैं । सारी कंम्पनियाँ ग्राहकों को बुला-बुलाकर कह रही हैं, नकद की चिंन्ता छोड़ो आज ही उधार ले जाओ, वो भी बिना किसी ब्याज के । अगर चादर छोटी है, तो डरो मत, पहले पैर तो फैलावो बड़ी चादर भी आ जाएगी ।

बाज़ारवाद नए ज़माने के उपभोक्ताओं से कह रहा है, अपने बच्चों को ख़र्च करना सिखाओ, कमाना उन्हें अपने आप आ जायेगा । अब तक यही माना जाता था कि क़र्ज लेना मजबूरी और शर्म की बात है, पर क़र्ज-उधार अब मजबूरी नहीं, बल्कि जरूरत बन चुका है ।

क़र्ज लेने वाले शरमाते नहीं, बल्कि लोगों को गर्व से बताते हैं, 'मेरी तो 50 - 50 हजार की दो-दो ई एम आई चल रही है' । अब ऋण से लोगों की हैसियत आँकी जाती है, जितना बड़ा क़र्जदार उतना मालदार । बैंक भी लोगों की आमदनी का ज़रिया और उनकी ऋण चुकाने की क्षमता को देखकर ही ऋण देते हैं । आज के दौर में आप संतोषम् परमम् सुखम् के दर्शन पर यक़ीन रखते हैं ? यह पूछने पर एक बहुराष्ट्रीय कंम्पनी में कार्यरत एक अधिकारी कहते हैं, ''क़तई नहीं । जिस दिन हम इस दर्शन को अपनाएँगे उसी दिन से हमारे लिए विकास के सारे रास्ते बन्द हो जाएंगे । जो है, जितना है, उसी में खुश रहने वाला इंसान जीवन को बेहतर बनाने की कोशिशें बंद कर देता है ।

अपने पास जितना है उससे कुछ और ज़्यादा पाने की लालसा हर इंसान के दिल में होनी चाहिए । तभी वह ज्यादा ज़्यादा मेहनत कर पाएगा । संतोषम् परमम् सुखम् का सिद्धान्त संतों के लिये तो ठीक हो सकता है, पर हमारे जैसे सांसारिक लोगों का इससे गुजारा नहीं चलने वाला । हमारी आमदनी सीमित है और ख़र्च बहुत ज्यादा । रोज़मर्रा की जरूरत की चीज़ों की क़ीमतें आसमान छू रही हैं । उन्हें हम किसी तरह कतर-ब्योंत करके पूरी कर लेते हैं, लेकिन जब हमें अपने घर के लिए फ्रिज या एसी जैसा कोई बड़ा सामान खरीदना हो, तो उसके लिए हमारे पास पैसे कहाँ से आएँगे ? ऐसे में क़िश्तों पर चीज़ें खरीदना ही एकमात्र विकल्प रह जाता है ।''

किस्तों पर प्रोपर्टी, कार या दूसरे मँहगे घरेलू उपकरण ख़रीदना कुछ लोगों को इस दृष्टि से भी फायदेमंद लगता है कि एक बार में किसी महँगे सामान का भुगतान करने से पूरे महीने का बजट हिल जाता है, लेकिन हर महीने छोटी-छोटी किस्तों में भुगतान करने पर अगर हमें सौ रुपये की किसी चींज़ का डेढ़ सौ रुपये भी चुकाने पड़े तो खलता नहीं है । सुशीला पेशे से आर्किटेक्ट हैं । वह कहती हैं, ''मैं बहुत सोच समझकर क्रेडिट कार्ड से चीज़ें खरीदती हूँ और सही समय पर उनका भुगतान कर देती हूँ । मुझे आज तक इससे कोई समस्या नहीं हुई । जब लोग बिना सोचे-समझे क्रेडिट कार्ड का बेहिसाब इस्तेमाल करके भुगतान में देर करते हैं तो उन्हें बाद में दण्ड सहित भुगतान करना पड़ता है । फिर ऐसे में वे क्रेडिट कार्ड को दोष देते हैं । मैंने कार से लेकर कैमरा तक सारी चीज़ें ई एम आइ से ही खरीदी हैं । जैसे ही किसी एक चीज की किस्तें कटनी बंद हो जाती है, मैं किस्तों पर दूसरी नई चीज उठा लाती हूँ । ई एम आइ बिलकुल नए जूते की तरह होता है जो, शुरुआत में थोड़ी तकलीफ़ जरूर देता है पर बाद में हमें इसकी आदत पड़ जाती है'' ।

देश में बहुराष्ट्रीय कंपनियों के आगमन के बाद आकर्षक सेलरी पैकेज से युवा वर्ग की क्रय शक्ति अचानक बढ़ गई है ।

2. निम्नलिखित पत्र को यथोचित रूप देकर टंकित कीजिए :

अंक

टंकण — 8

सजावट — 2

कुल — 10

यू० पी० हैण्डलूमस्

उत्तर प्रदेश सरकार का उपक्रम

दूरभाष — 0995/44343 कानपुर — 2

पत्र क्रमांक बिक्री / 105 दि० 15 दिसम्बर, 2012

शाखा प्रबन्धक,

यू० पी० हैण्डलूम स्टोर,

विषय : बिक्री संर्वधन योजनान्तर्गत उत्पादों पर छूट बाबत ।

महोदय,

आपको यह सूचित करते हुए हर्ष है कि संस्थान ने त्यौहारी सीजन को देखते हुए अपने सभी उत्पादों पर 20% की छूट देने का निश्चय किया है । देश के विभिन्न क्षेत्रों में स्थापित रिटेल स्टोर्स के शाखा प्रबन्धकों से सुझाव प्राप्त होते रहे हैं कि त्यौहारों को ध्यान में रखते हुए

छूट प्रारम्भ की जाएँ ताकि बिक्री में वृद्धि हो सके । आपके इन सुझावों को ध्यान में रखते हुए बोर्ड बैठक में यह निर्णय लिया गया कि विभाग के सभी उत्पादों पर दिनांक 15 सितम्बर से 31 दिसम्बर, 2012 तक 20% छूट जारी रखी जाए ।

यह छूट आपके स्टोर की बिक्री बढ़ाने में सार्थक होगी । इस हेतु आप अपने शहर / कस्बे में छूट का पर्याप्त प्रचार-प्रसार कर अधिक से अधिक ग्राहकों को जोड़ने का प्रयास करें ।

प्रचार-प्रसार एवं विज्ञापन मद में विभाग ने प्रथम श्रेणी स्टोर्स को 10,000/- रु० एवं अन्य स्टोर्स को 5,000/- रु० व्यय करने की स्वीकृति प्रदान की हैं, जिसका पूरा उपयोग किया जाएँ ।

बिक्री की साप्ताहिक रिपोर्ट कानपुर मुख्यालय को अनिवार्यत: भेजना सुनिश्चित करें । किसी भी प्रकार की पूछताछ दूरभाष से करें ।

हस्ता० /-

(अर्जुन सिंह शेखावत)

महा प्रबन्धक

3. निम्नलिखित सारणी को यथोचित रूप देकर टंकित कीजिए :

अंक

टंकण — 8

सजावट — 2

कुल — 10

लक्ष्मी प्रिसियन स्क्रुज लिमिटेड

(विभिन्न स्टॉक एक्सचेंज पर अंश का उच्चतम एवं न्यूनतम मूल्य रु० में)

वित्तीय वर्ष 2011 - 12

वर्ष	**नेशनल स्टॉक एक्सचेंज**		**बाम्बे स्टॉक एक्सचेंज**		**सूचकांक**
2011 - 12 (माह)	उच्चतम	न्यूनतम	उच्चतम	न्यूनतम	
अप्रैल - 2011	55·90	45·20	55·90	47·55	19254
मई - 2011	53·90	44·00	56·40	45·85	18873
जून - 2011	50·00	40·40	51·00	42·50	19132
जुलाई - 2011	57·70	41·00	56·45	43·55	18440
अगस्त - 2011	48·90	35·15	50·00	35·75	17212
सितम्बर - 2011	46·35	37·00	47·20	37·55	17908
अक्टू०- 2011	42·00	37·00	46·95	36·80	17702
नव० - 2011	43·30	32·00	46·95	34·85	17004
दिस० - 2011	38·90	27·15	41·40	29·90	17259
जन० - 2012	40·70	31·00	42·45	32·50	18150
फरवरी - 2012	49·90	35·00	49·00	36·20	18524
मार्च - 2012	45·80	35·00	49·95	36·20	18041